# आउटरीच गतिविधियां

## एनईईवी: भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर का सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम

एनईईवी भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर का एक सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम है जो आसपास के गांवों की महिलाओं और युवाओं को कौशल विकास और उद्यमिता से संबंधित प्रशिक्षण और सलाह प्रदान करता है, जिससे उन्हें उनकी आजीविका में मदद मिलती है। 2014 से, एनईईवी ने अहमदाबाद/गांधीनगर क्षेत्र के 2500+ लाभार्थियों के लिए 75 से अधिक परियोजनाओं और गतिविधियों का संचालन किया है, जिसमें भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के पास के 15 गाँव शामिल हैं। **सुश्री सौम्या हरीश** समन्वयक हैं, और **सुश्री रोशनी पटेल** एनईईवी की कार्यक्रम सहयोगी हैं।

### सिलाई आजीविका अर्जन परियोजना

"सिलाई आजीविका अर्जन परियोजना" का मिशन भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के आसपास के क्षेत्रों की ग्रामीण महिलाओं के लिए सिलाई के व्यवसाय के माध्यम से आजीविका के अवसर पैदा करना था। परियोजना का लक्ष्य प्रशिक्षण, सलाह, सहयोग और बाजार के संबंधों तक पहुंच प्रदान करने के माध्यम से घोषित मिशन को प्राप्त करना था। इस परियोजना के तहत अप्रैल 2020 से मार्च 2021 तक निम्नलिखित पहल की गई:

1. पालज और बासन गांवों की 18-40 वर्ष की आयु वर्ग की कुल 25 महिलाओं को पुन: प्रयोज्य कपड़े के मास्क, पर्दे, कुशन कवर, टोटे बैग, लैपटॉप बैग, पाउच, पलाज़ो आदि उत्पादों की सिलाई करने के लिए प्रशिक्षित किया गया था। **सुश्री रितु सिंह**, कार्यक्रम प्रशिक्षु, एनईईवी इस परियोजना की प्रशिक्षक थीं। प्रशिक्षण भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के एनईईवी प्रशिक्षण कक्ष में आयोजित किया गया था।
2. प्रशिक्षण ने महिलाओं को लगभग 3.7 लाख रुपये की संचयी आय प्राप्त करने में सक्षम बनाया है:
    i. **बाजार से संयोजन:** पूरे वर्ष एनईईवी के द्वारा मास्क और पर्दों के बड़े ऑर्डर लिए गए। महिलाओं ने तकरीबन 70,000 मास्क बनाए। भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के दो छात्रावासों के लिए 650 पर्दों की आपूर्ती इन महिलाओं ने की। महिलाओं के द्वारा निर्मित कई उत्पादों को भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर में स्टॉल लगा कर बेचा गया।
    ii. **मार्गदर्शन के रूप में सहयोग:** महिलाओं को विक्रेता के साथ जोड़ना और सही लागत प्रदान करना।
    iii. सभी ऑर्डरों की गुणवत्ता एवं समय पर वितरण के लिए **हेंड होल्डिंग सहयोग** प्रदान किया गया। उत्पाद या तो एनईईवी प्रशिक्षण कक्ष अन्यथा महिलाओं के घरों में निर्मित किए गए थे।
    iv. 9 ग्रामीण महिलाओं को अगस्त 28, 2020 को अहमदाबाद में स्थापित निर्यात गुणवत्ता के बैग बनाने वाले उत्पादन इकाई स्टिचमैन इंक के यहां **अनावरण यात्रा** कराई गई।

### कम्प्यूटर कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

इस परियोजना का मिशन भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर के आसपास के गांवों के युवाओं और महिलाओं के बीच कंप्यूटर साक्षरता बढ़ाना था। इस पाठ्यक्रम के माध्यम से, प्रतिभागियों को बुनियादी कंप्यूटर संचालन, एमएस वर्ड, एमएस एक्सेल, एमएस पावरपॉइंट, नेटवर्क में लॉग इन करना, इंटरनेट का उपयोग, ईमेल की मूल बातें, खोज इंजन आदि सिखाया गया था।

1. 19 - 37 वर्ष के आयु वर्ग के पालज और बासन गांवों के आठ प्रतिभागियों (चार महिलाओं और चार पुरुषों) के पहले बैच को 12 अक्टूबर से 07 नवंबर, 2020 के दौरान चार सप्ताह के लिए बुनियादी कम्प्यूटर कौशल का प्रशिक्षण दिया गया। पाठ्यक्रम एक कमरे के सेट-अप में आयोजित किया गया था। प्रशिक्षक गांधीनगर में एच एंड बी कम्प्यूटर एजुकेशन से **सुश्री हेमांगी पटेल** थीं।
2. 1-27 मार्च, 2021 के दौरान 18-32 वर्ष के आयु वर्ग के पालज और बासन गांवों के चौदह प्रतिभागियों (आठ महिलाओं और छह पुरुषों) के दूसरे बैच को चार सप्ताह के लिए बुनियादी कम्प्यूटर कौशल का प्रशिक्षण दिया गया। यह पाठ्यक्रम भा॰प्रौ॰सं॰ गांधीनगर का संगणक प्रयोगशाला लैब में आयोजित किया गया था। प्रशिक्षक गांधीनगर के **श्री उमेश वाघेला** थे।

## चॉकलेट कन्फेक्शनरी निर्माण परियोजना

12-16 अक्टूबर, 2020 के दौरान परिसर में आयोजित 'चॉकलेट कन्फेक्शनरी निर्माण कार्यशाला' के माध्यम से 17-37 वर्ष के आयु वर्ग की बासन गांव की दस महिलाओं को चॉकलेट आधारित कन्फेक्शनरी की 15+ विविधताएं बनाने का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। अहमदाबाद से **सुश्री नीपा संघवी** इस कार्यशाला की प्रशिक्षक थीं। प्रशिक्षुओं को 15 अक्टूबर, 2020 को अहमदाबाद स्थित उपकरण, कच्चे माल और पैकेजिंग के एक विक्रेता के पास भी ले जाया गया। विशेष रूप से, आठ महिलाओं ने सामूहिक रूप से भा०प्रौ०सं० गांधीनगर में दिवाली के समय में लगाए गए स्टालों के माध्यम से और एनईईवी द्वारा प्रदान किए गए सहयोग से लगभग 34,000 रुपये के उत्पाद बेचे।

## सजावटी मोमबत्ती परियोजना

21-23 अक्टूबर, 2020 के दौरान पालज की 10 महिलाओं के लिए और 3-5 नवंबर, 2020 के दौरान बासन की सात महिलाओं के लिए एक 'सजावटी मोमबत्ती बनाने की कार्यशाला' आयोजित की गई, जिसमें प्रतिभागियों को रंगीन और सुगंधित 10+ विविधताएं बनाना सिखाया गया। मोमबत्ती कार्यशाला का आयोजन भा०प्रौ०सं० गांधीनगर परिसर में किया गया। पालज समूह की प्रशिक्षक अहमदाबाद की **सुश्री नीपा संघवी** थीं और बासन समूह की प्रशिक्षक एनईईवी की **सुश्री रोशनी पटेल** थीं।

## सूखा अल्पाहार निर्माण परियोजना

एनईईवी ने 26-30 अक्टूबर, 2020 के दौरान 18-45 वर्ष के आयु वर्ग में बासन गांव की 11 महिलाओं के लिए परिसर में ' सूखा अल्पाहार निर्माण परियोजना' का आयोजन किया। प्रशिक्षक अहमदाबाद की **सुश्री गीताबेन कटवा** थीं। प्रतिभागियों को शकरपारा, मठरी, बेसन के लड्डू और चकली जैसे सूखे नाश्ते बनाना सिखाया गया। प्रशिक्षित ग्रामीण महिलाओं ने सामूहिक रूप से भा०प्रौ०सं० गांधीनगर परिसर में एनईईवी के सहयोग से लगाए गए स्टालों के माध्यम से और दिवाली त्योहार के मौसम के दौरान लगभग 8,000 रुपये के उत्पाद बेचे।

### एनईईवी का प्रभाव - 2020-21 के दौरान ग्रामीण महिलाओं की आजीविका का सृजन

| कार्यशाला का नाम | महिला प्रशिक्षुओं की संख्या | कुल आय (रु में) |
|---|---|---|
| सिलाई से जीविका का सृजन | 25 | 3,70,000 |
| चॉकलेट निर्माण | 10 | 39,000 |
| सजावटी मोमबत्ती निर्माण | 10 | 8,000 |
| सूखा अल्पाहार निर्माण | 11 | 8,000 |
| **कुल** | **56** | **4,25,000** |

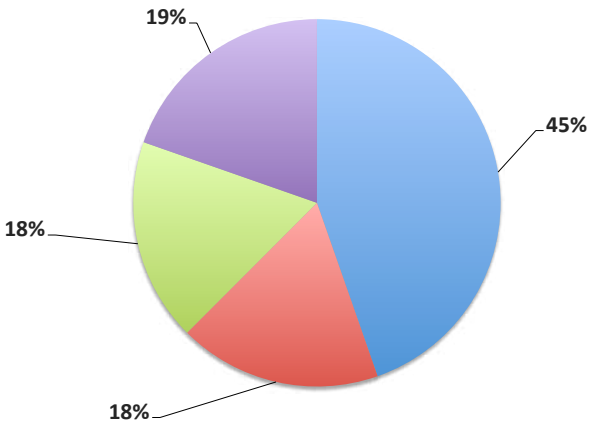


### वर्ष के दौरान एनईईवी की गतिविधियां

| वर्ष | गतिविधि/परियोजनाओं की संख्या | प्रतिभागियों की संख्या |
|---|---|---|
| 2014-15 | 6 | 192 |
| 2015-16 | 7 | 347 |
| 2016-17 | 11 | 410 |
| 2017-18 | 14 | 611 |
| 2018-19 | 12 | 484 |
| 2019-20 | 21 | 605 |
| 2020-21 | 6 | 84 |
| **कुल** | **77** | **2733** |